इस पद्धति द्वारा निविदित प्रत्येक वित्तीय वर्ष की निविदाओं का लेखा जोखा रखना सरल हो जायेगा। हर वित्तीय वर्ष में निविदित निविदाओं की जानकारी उपलब्ध कराने में भी समय की बचत होंगी।

4. इलेक्ट्रॉनिक प्रक्रिया के लिए आवश्यक उपस्करः

4.1 कम्प्यूटर सिस्टम अद्यतन वर्जन एण्टी वायरस के साथ।

4.2 इन्टरनेट एक्सपलोरर वर्जन 7.0 या उससे उपर का

4.3 नियमबद्ध वैध डिजिटल सिग्नेचर प्रमाण पत्र C.C.A. India द्वारा प्रमाणित।

4.4 ब्रॉडबैंड इन्टरनेट कनेक्शन के साथ

4.5 प्रिंटर

4.6 यू0पी0एस0

5. उपयोग से पूर्व की व्यवस्था :

5.1 ब्रॉडबैंड इन्टरनेट कनेक्शन उपलब्ध होना चाहिए।

5.2 इसका उपयोग करने वाले को प्रशासनिक अधिकार प्राप्त होना चाहिए ताकि वे DSC Software का उपयोग कर सकें।

5.3 जब सिस्टम कार्य करना प्रारंभ करे तो DSC को यू0एस0बी0 पोर्ट से जोड़ा जाना चाहिए।

5.4 DSC Driver को Resource C.D. से स्थापित किया जायेगा।

5.5 J.R.E. 1.6 को स्थापित किया जायेगा।

5.6 बेवसाईट पर डाले गये अभ्यावेदन को पता करने हेतु उपयोगकर्त्ता/निविदादाता को निबंधित होना चाहिए।

6. डिजिटल सिग्नेचर प्रमाण–पत्र और डिजिटल इन्क्रीप्शनः

निविदादाता को निविदा डालने से पहले हस्तलिखित हस्ताक्षर के स्थान पर डिजिटल सिग्नेचर स्थापित करने की आवश्यकता होती है ताकि वे इन्टरनेट के माध्यम से निविदा डाल सकें जिससे वे असहमत न हो सकेंगे कि भेजा हुआ अभिलेख उनका नहीं है। डिजिटल सिग्नेचर एक डिजिटल समतुल्य हस्तलिखित हस्ताक्षर होता है जिसके साथ अतिरिक्त किसी प्रकार की सूचना एवं अभिलेख से संबंधित इलेक्ट्रॉनिकली डाटा जुड़ा रहता है। डिजिटल सिग्नेचर यह भी आश्वस्त करता है कि जो अभिलेख डिजिटली हस्ताक्षर कर समर्पित किये जाते है उसमें परिवर्तन नहीं किया जा सकता है।